हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

तापमान
अधिकतम 37.6 डिग्री से.
न्यूनतम 25.5 डिग्री से.

11 खेतों में दूषित पानी का जलभराव, एआईकेकेएमएस ने की किसानों को मुआवजा देने की मांग

12 आज भारत सैन्य उपकरण स्वयं बनाकर 25 देशों को निर्यात भी कर रहा: सतीश पूनिया

खबर संक्षेप

मारपीट मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

कोसली। पुलिस ने मई माह में खुर्शीद नगर में हुए झगड़े के बाद दर्ज मारपीट के मामले में तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर कई आरोपियों के खिलाफ 29 मई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने मारपीट और धमकी के आरोप लगाए गए थे। इस मामले में जांच के बाद खुर्शीद नगर निवासी विरेंद्र, कश्मीरा, कविता, आशा और अरुण प्रकाश को गिरफ्तार किया है। मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद चारों आरोपियों को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

दहेज प्रताड़ना के मामले में एक काबू

कोसली। पुलिस ने एक विवाहिता को दहेज की मांग पर प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने काउंसलिंग के माध्यम से दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए थे। दोनों में सहमति नहीं बनने के बाद पुलिस ने गत 11 अप्रैल को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में एक आरोपी गुरुग्राम के सैदपुर निवासी प्रवीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

हथियार सप्लाई का आरोपी भेजा जेल

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने हथियार सप्लाई करने के आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। सीआईए ने एक आरोपी को पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया था। उसके खिलाफ 12 जून को आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था। पूछताछ में उसने बताया था कि उसे हथियार गुर्जरवाड़ा निवासी सतीश ने मुहैया कराया था। बाद में सीआईए ने सतीश को भी गिरफ्तार कर लिया। उसे रामपुरा पुलिस के हवाले किया गया था। आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

हादसे का आरोपी वाहन चालक काबू

कुंड। पुलिस ने सड़क हादसे को अंजाम देने के बाद फरार हुए वाहन चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 1 जून को जैसलमेर नेशनल हाइवे पर हुए हादसे के बाद घायल के बयान पर चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पीड़ित पक्ष की शिकायपर पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। मामले की जांच करते हुए पुलिस ने राजस्थान के चूरू निवासी ब्रह्मप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को मामले की तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

ट्यूबवेलों की केबल चोरी के दो आरोपी अभिरक्षा में

रेवाड़ी। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने ट्यूबवेलों से बिजली की केबल चोरी करने के मामले में दो नाबालिग अभिरक्षा में लिए हैं। उनके कब्जे से 6 किलोग्राम तांबे के तार बरामद किए गए हैं। आरोपियों को जेजे बोर्ड के समक्ष पेश करने के बाद बाल सुधार गृह फरीदाबाद भेज दिया गया। पुलिस शिकायत में भटसाना निवासी जयपाल ने बताया कि जब वह अपने ट्यूबवेल पर पहुंचा, तो उसे बिजली की केबल गायब मिली। आसपास पूछताछ करने पर उसके पड़ोसी सतपाल ने बताया कि उसके ट्यूबवेल की केबल भी चोरी हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया था कि पड़ोस में राजस्थान व नूंह जिले के दो परिवार साझे पर खेती करते हैं। इन परिवारों के बच्चों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने जयपाल की शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद दो नाबालिगों को अभिरक्षा में ले लिया। उनके कब्जे से केबल जलाकर निकाले गए तांबे के तार बरामद किए गए हैं।

रविवार को सीएसआई कार्यालय में खड़े रहे कचरा वाहन, कर्मचारियों ने फर्म पर लगाया दो महीने से वेतन नहीं देने का आरोप

चार दिन से वार्डों में नहीं पहुंच रहे कचरा कलेक्शन वाहन, एमआरएफ सेंटर में लगा गंदगी का अंबार

ठेकेदार के पास कचरा कलेक्शन के लिए फिलहाल 36 डीजल के टैंपों, 13 इलेक्ट्रिकल व्हीकल, 12 ट्रैक्टर व एक जेसीबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। रविवार को सुबह से सीएसआई कार्यालय में खड़े रहे कचरा वाहन। फोटो : हरिभूमि

सफाई संकट

शहर में पिछले चार दिनों से डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था ठप हो रही है। कचरा कलेक्शन की गाड़ियां सभी वार्डों में नहीं पहुंच रही है, जिससे मोहल्लों व कॉलोनियों में सड़कों पर कचरा जमा होने से दुर्गंध फैल रही है। वही शहर की डंपिंग यार्डों में कचरा बाहर तक फैल रहा है। रविवार को सरकुलर रोड लियो चौक स्थित एमआरएफ सेंटर में बाहर तक फैले कचरे में पशुओं का जमावड़ा लगा रहा। कचरा कलेक्शन गाड़ियां नहीं पहुंचने से नागरिकों में रोष है। इस अव्यवस्था का कारण कचरा कलेक्शन गाड़ियों पर लगे कर्मचारियों को ठेकेदार की ओर से पिछले दो महीने से वेतन का नहीं दिया जाना है। कई कर्मचारियों को तो तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। वेतन नहीं मिलने से 120 के करीब कर्मचारी प्रभावित है। तीन दिन पहले वेतन की मांग को लेकर कर्मचारी हड़ताल पर भी जा चुके है। हालांकि इसके बाद अधिकारियों ने आश्वासन देकर वार्डो में कुछ गाड़ियां भेजी थी, लेकिन अभी व्यवस्था पूरी तरह सुचारू नहीं है। रविवार को कचरा कलेक्शन की गाड़ियां पूरे दिन महाराणा प्रताप चौक स्थित सीएसआई कार्यालय में खड़ी रही। नगर परिषद की ओर से श्री श्याम एसोसिएट्स फर्म को 5 वर्षों के लिए करीब 23.5 करोड़ का ठेका देने के बाद 9 फरवरी को फर्म ने कचरा कलेक्शन का कार्य शुरू किया था, जबकि फर्म को शहर क कचरा रामसिंह पुरा डंपिंग यार्ड में पहुंचाने के लिए अलग से 10 वर्ष के लिए 12 करोड़ से अधिक का ठेका दिया गया था। 4 महीने बीतने के बाद भी फर्म की ओर से अभी तक जरूरत के हिसाब से गाड़ियां नहीं लगाई है। ठेकेदार के पास कचरा कलेक्शन के लिए फिलहाल 36 डीजल के टैंपों, 13 इलेक्ट्रिकल व्हीकल, 12 ट्रैक्टर व एक जेसीबी है, जबकि नगर परिषद ने एक डंपर व एक लोडर दिया हुआ है। कचरा कलेक्शन की प्रत्येक गाड़ी पर फर्म ने एक ड्राईवर व एक हेल्पर रखा हुआ है, जिनको 3 महीने से वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है। वेतन में देरी के कारण परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है।

जल्द ही समाधान करवाया जाएगा

कचरा कलेक्शन फर्म और उसके कर्मचारियों के बीच वेतन को लेकर विवाद चल रहा है। कर्मचारियों को समझाकर कुछ गाड़ियां वार्डों में भेजी भी जा रही है। जल्द ही कर्मचारियों की समस्या का समाधान कराया जाएगा ताकि शहर की सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से चल सकें।

-अरुण नांदल, ईओ, नगर परिषद रेवाड़ी।

नगर परिषद ने चलाया सफाई अभियान

नगर परिषद चेयरपर्सन विनीता पीपल के नेतृत्व में रविवार को शहर में सफाई अभियान चलाया गया। कर्मचारियों ने ट्रॉमा सेंटर के पास सड़क पर पड़े पड़े 10 ट्रॉली से अधिक मलबे को हटाकर समस्या का समाधान किया गया। कर्मचारियों की ओर से वार्ड नंबर-2 में भी साफ-सफाई की गई। काली माता मंदिर के सामने जलभराव की समस्या दूर करने के लिए नालों के ब्लॉकेज का साफ कराया गया। अभियान में एडवोकेट नरेंद्र पीपल, पार्षद पूजा देवी, पार्षद प्रतिनिधि कर्मबीर, राजेंद्र पीपल, नरेंद्र, तेजराम, महेश स्वामी व अतुल स्वामी सहित अनेक लोगों ने सहयोग दिया।

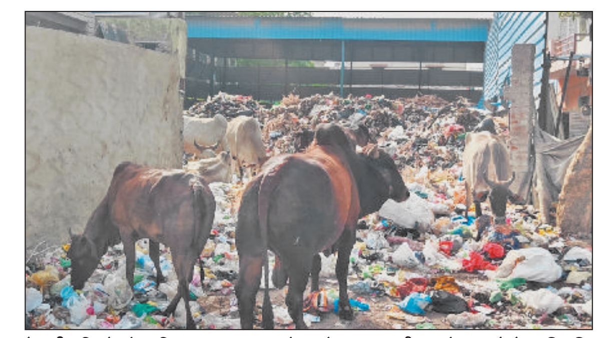

रेवाड़ी। लियो चौक स्थित एमआरएफ सेंटर में लगा गंदगी का ढेर। फोटो : हरिभूमि

शहर में लगने लगा कचरे का ढेर

डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन कार्य सुचारू रूप से नहीं चलने के कारण शहर की कॉलोनियों, बाजार और मुख्य मार्गों पर कचरे के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। गर्मी के मौसम में बदबू और बीमारियां फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि नगर परिषद को कार्य की निगरानी करनी चाहिए थी। ठेकेदार टेंडर की शर्तों को पूरा नहीं कर रहा और इसका खामियाजा शहर की जनता भुगत रही है।

पिस्टल दिखाकर करता था पत्नी से मारपीट

ससुर की सूचना पर पुलिस ने दबोचा आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गोकलगढ़ में पिस्तौल दिखाकर पत्नी से मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को उसके ससुर की सूचना पर पुलिस ने काबू कर लिया। सूचना के बाद आरोपी के घर पहुंची पुलिस ने पत्नी की निशानदेही पर बेड के नीचे रखे पिस्तौल और 4 कारतूस बरामद कर लिए। पुलिस को देखकर फरार हुए आरोपी को चंद घंटे बाद ही काबू कर लिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस कंट्रोल रूम को गत 11 जून को सैलंगा निवासी जयभगवान ने सूचना दी कि उसने अपनी बेटी रूचिका की शादी गोकलगढ़ निवासी महेश उर्फ गैणी के साथ की हुई है। महेश उसकी बेटी को प्रताड़ति करता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की ईआरवी गोकलगढ़ गांव में महेश के घर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही महेश फरार होने में कामयाब हो गया। ईआरवी स्टाफ ने उसकी बेटी रूचिका से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका पति नशे का आदि है। वह नशे में उसके साथ मारपीट करता है। उसके पास अवैध हथियार है, जिसे दिखाकर वह धमकी देता रहता है। रूचिका ने बताया कि हथियार बेड के नीचे छिपाया हुआ है। पुलिस ने वहां से एक देशी पिस्तौल व चार जिंदा कारतूस कब्जे में ले लिए। ईआरवी स्टाफ ने हथियार सदर थाना पुलिस के हवाले करने के बाद आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया।

आरोपी पर पांच आपराधिक मामले

सदर थाना पुलिस ने आरोपी महेश के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उसकी तलाश शुरू की थी। पुलिस ने शनिवार को आरोपी महेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान यह बात सामने आई कि महेश उर्फ गैणी के खिलाफ सदर व सिटी पुलिस थानों में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ एनडीपीएस, हत्या के प्रयास और मारपीट के आरोप में अभियोग अंकित हैं। इस समय वह जमानत पर बाहर आया हुआ था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

शॉक एबसोर्बर बनाने वाली कंपनी में आग

- औद्योगिक एरिया में एक माह में आगनी की तीसरी बड़ी घटना, समय पर काबू पाने से जनहानि होने से टली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। मालपुरा स्थित कंपनी में लगी आग व बाहर खड़े कर्मचारी,कंपनी में आग लगने पर सामान बाहर निकालता कर्मचारी।

रविवार सुबह धारूहेड़ा के पास मालपुरा में एक शॉक एबसोर्बर बनाने वाली कंपनी में आग लगने से हड़कंप मच गया। फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने लगभग एक घंटे बाद आग पर काबू पाया। कर्मचारियों के समय पर बाहर निकलने के कारण जनहानि होने से बच गई। कंपनी का काफी सामान आग की भेंट चढ़ गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने आगजनी के कारणों की जांच शुरू कर दी। जिंदल इंजीनयरिंग में मोटरसाइकिल के शॉक एबसोर्बर बनाए जाते हैं। कंपनी के ग्राउंड फ्लोर पर रविवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे अचानक आग लगी। जिससे वहां काम करने वाले कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। देखते ही देखते आग तेजी से फैली और दूसरी मंजिल तक पहुंच गई। कंपनी में रखे सामान आग के कारण जलना शुरू हो गया। आग की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंच गए। एक के बाद एक पांच गाड़ियों को आग पर काबू पाने के लिए बुलाया गया। लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

लाखों रुपये की मशीनें और सामान जला

कंपनी प्रबंधन के अनुसार आग लगते ही वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया था। आग के कारण जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये की मशीन और अन्य सामान आग की भेंट चढ़ गया। आग लगने का प्राथमिक कारण बिजली के तारों में शॉट सर्किट माना जा रहा है। इसके बावजूद पुलिस कारणों की जांच में जुट गई है।

माह में आगजनी की तीसरी बड़ी घटना

औद्योगिक एरिया बावल और धारूहेड़ा में एक माह के दौरान आगजनी की यह तीसरी बड़ी घटना हुई है। इससे पहले बावल की जीएलएल कंपनी में भीषण आग लगी थी, जिसमें दो कर्मचारी जिंदा जल गए थे। एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। उसी दिन धारूहेड़ा के पास स्कूटी बनाने वाली कंपनी में आग से भी लाखों रुपये का नुकसान हो गया था।

हरियाणा टाइटंस ने जीती धारण प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट की ट्रॉफी

बावल। बावल क्षेत्र के गांव धारण में एक सप्ताह से चल रही धारण प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का रविवार को समापन हो गया। गांव के युवाओं की ओर से आयोजित टूर्नामेंट का नेतृत्व सरपंच राजेश कुमार ने किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रमुख मनोज यादव ने शिरकत की, बीएमडी यूथ क्लब धारण के संस्थापक एवं भाजपा युवा जिला महामंत्री अरुण तंवर धारण का विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर युवाओं, खेल प्रतिभाओं एवं प्रतियोगिता में सहयोगी संदीप तंवर, नवीन गौड़, प्रवीण कौशिक, संदीप डागर और समाज से जुड़े लोगों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और भाईचारे की भावना भी विकसित करते हैं। क्रिकेट टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबलों में हरियाणा टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब हासिल किया, माही सुपर किंग की टीम उपविजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर समाजसेवी कल्याण सिंह, कंवर पाल सिंह, महेश, बिशु कोच, पुरुषोत्तम शर्मा, सतपाल पंच, राजेश मास्टर, मेनपाल व विजयपाल सहित अनेक युवा उपस्थित थे।

रेवाड़ी। विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

आज से दो दिन झमाझम बारिश की संभावना, सप्ताह के अंत तक मौसम साफ होने के आसार

उमस ने निकाला दम, शाम को बूंदाबांदी के बाद बदला मौसम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तीन दिन पहले हुई अच्छी बारिश के बाद तेजी से गिरा तापमान एक बार फिर से बढ़ना शुरू हो गया है। तापमान में 5 डिग्री से ज्यादा वृद्धि और हवा में नमी ने उमस पैदा कर दी, जिससे लोगों को शाम तक भारी गर्मी का सामना करना पड़ा। चिपचिपाहट भरी गर्मी ज्यादा परेशान कर रही है। दिन भर उमस भरी गर्मी का सामना करने के बाद शाम के समय आसमान में बादलों और तेज हवाओं के साथ गिरने वाली फुहारों से राहत जरूर मिल जाती है। 15 जून को भी बारिश की संभावना जताई जा रही है, जो दो दिन तक जारी रह सकती है। गत 11 जून को शाम के समय जिले के कई भागों में आंधी के साथ अच्छी बारिश हुई थी। इसके बाद तापमान में कमी आ गई। रात के तापमान में गिरावट के बाद लोगों को सुहाने मौसम का लुत्फ उठाने का मौका मिल गया। रविवार को सुबह के समय आसमान पूरी तरह से साफ बना रहा। अधिकतम तापमान 5.6 डिग्री की वृद्धि के साथ 37.6 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान भी 4.1 डिग्री की वृद्धि के साथ 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गत वर्ष की तुलना में दोनों तापमान कम बने हुए हैं। गत वर्ष 14 जून को अधिकतम तापमान 42.5 और न्यूनतम 26.0 डिग्री सेल्सियस रहा था। हवा में नमी का स्तर 35 प्रतिशत तक रहने के बावजूद कम तापमान में भी उमस बन गई, जिससे लोगों को दिन भर पसीना-पसीना होना पड़ा। चिपचिपाहट भरी गर्मी ने पसीने तक नहीं सूखने दिए। कूलरों की हवा उमस के कारण बेअसर बनी रही। शाम के समय आसमान में घने बादल छा गए। ठंडी और तेज हवाओं के साथ कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हुई, जिसके बाद उमस भरी गर्मी से राहत मिल गई। शाम के समय घने बादल छाए रहने के कारण बारिश की संभावना बनी हुई थी।

रेवाड़ी। रविवार सुबह शहर में छाए बरसात के बादल। फोटो : हरिभूमि

आज भी हो सकती है अच्छी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय बना हुआ है। इससे सप्ताह के पहले ही दिन अच्छी बारिश हो सकती है। इस दौरान तेज हवाएं चलने या आंधी आने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा। पहले दो दिन तक मौसम इसी तरह का बना रह सकता है। सप्ताह के अंत में मौसम साफ होने की संभावना है। इसके बाद तापमान में तेजी से वृद्धि के आसार बने रहेंगे।

किसानों ने शुरू की बाजरे की बिजाई

जिले के जिन इलाकों में अच्छी बारिश हो चुकी है, वहां किसानों ने बाजरे की अगेती बिजाई शुरू कर दी है। कम बारिश वाले इलाकों में किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। कृषि अधिकारियों के अनुसार अगेती बिजाई का समय आ गया है। जिन इलाकों में औसत 20 एमएम तक बारिश हो जाती है, वहां किसान बाजरे की बिजाई कर सकते हैं।

राजकीय आईटीआई में रोजगार मेला कल

रेवाड़ी। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला रोजगार कार्यालय एवं राजकीय आईटीआई की ओर से 16 जून को राजकीय बाल आईटीआई में सुबह 10 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी मनीता यादव ने बताया कि मेले में विधायक लक्ष्मण सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में लगभग 20-25 कम्पनियां भाग लेंगी, जिसमें कम्पनियों द्वारा मैट्रिक, इन्टरमीडिएट, स्नातक (सभी संकाय), आईटीआई, डिप्लोमा व अन्य तकनीकी डिग्री धारक पास लड़के व लड़कियों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

*कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।*
- हरिवंश राय बच्चन

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेट और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता | कमला राठी

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाकी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता | प्रो. ज्योति राज

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारें भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज सी
थेगलियों के टाट सी
चिढ़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व | डॉ. ओमप्रकाश कादयान

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें।

डॉ. रामभक्त लांगायन

वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है।

अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति
आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?
मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासनः रोज़ की छोटी जीत
अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण
आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण
सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'
कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):
- फ्रेशरः लगभग □5.0–□9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठः लगभग □12–□25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशरः लगभग □4.0–□8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग □10–□28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझावः किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

एक जुलाई को खुलेंगी सिविल व क्रिमिनल अदालतें

रेवाड़ी। गत शनिवार से जिला अदालत में क्रिमिनल मामलों की सुनवाई करने वाली अदालतों में ग्रीष्मावकाश शुरू हो गया है। गत एक जून से सिविल अदालतों में भी एक माह का ग्रीष्मावकाश शुरू हो गया था। अब दोनों अदालतें आगामी एक जुलाई से खुलेंगी। ग्रीष्मावकाश के दौरान सिविल व क्रिमिनल मामलों में स्टे आदि पर सुनवाई की व्यवस्था भी रहेगी। ग्रीष्मावकाश के दौरान ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट व अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की व्यवस्था आवश्यक कार्य निपटाने के लिए की गई है। इस दौरान अदालतों में कार्यरत अधिवक्ताओं ने ग्रीष्मावकाश मनाने के लिए अपने निर्धारित स्थानों की ओर प्रस्थान कर चुके हैं।

बिजली उपभोक्ताओं का प्रदर्शन आज

मंडी अटेली। बिजली उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा द्वारा 15 जून को लघु सचिवालय नारनौल में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। मंच के जिला प्रधान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने बताया कि प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा गया है, जिसमें जिला सचिव मास्टर बलवंत सिंह, उप प्रधान डॉ. सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय रूप से लोगों को जोड़ा है। प्रदर्शन के दौरान स्मार्ट मीटर योजना पर रोक लगाने, बिजली के निजीकरण को बंद करने, बिजली बिल 2003 रद्द करने तथा बिजली संशोधन बिल 2025 को वापस लेने जैसी मांगें प्रमुख हैं।

हिमांशु यादव सिहमा ने रचा इतिहास

नारनौल। प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर हिमांशु यादव सिहमा ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है। प्रथम राउंड में हिमांशु को देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग चार वर्षीय बीटे में सीट आवंटित हुई है। इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों व क्षेत्र में खुशी का माहौल है। हिमांशु के पिता प्रवक्ता लीलाराम यादव ने बताया कि हिमांशु बचपन से ही गणित विषय में विशेष रुचि रखता हैं। वह प्रारंभ से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित, अनुशासित और मेहनती छात्र रहा हैं।

योग मैराथन आज तैयारियां पूरी

नारनौल। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 जून को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय योग मैराथन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में इस आयोजन को अंतिम रूप दे दिया गया है। आईटीआई का मैदान पूरी तरह सजकर तैयार है। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूक करना है। सोमवार सुबह ठीक 6:30 बजे आईटीआई मैदान से इस मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

एसआईआर अभियान: बीएलओ आज से घर-घर जाकर करेंगे सत्यापन कार्य

- डीसी अभिषेक मीणा ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश, नागरिकों से की बीएलओ का सहयोग करने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा के मार्गदर्शन में जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर-2026 अभियान 15 जून से संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया जा सकें। डीसी ने रविवार को एसआईआर अभियान को लेकर लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए श्रीनिवास ने प्रदेश के सभी जिलों के डीसी व अन्य अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि सोमवार से बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे। इस दौरान मतदाता सूची में दर्ज विवरण का सत्यापन किया जाएगा तथा नए पात्र मतदाताओं, स्थानांतरित मतदाताओं एवं संशोधन से संबंधित जानकारी एकत्रित की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में 792 पोलिंग बूथ

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी अभिषेक मीणा। फोटो: हरिभूमि

और इतने ही बीएलओ पर 82 सुपरवाइजर हैं। जो युवा एक जुलाई, 2026 को 18 साल या इससे अधिक आयु के हो जाएंगे, वे अपना वोटर फार्म अवश्य भरें। नए पात्र नागरिकों को पंजीकरण के लिए फॉर्म-6 भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त मतदाता निर्वाचन आयोग के पोर्टल वोटर्स.ईसीआई.जीओवी.इन के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन भी कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से एसआईआर में आम नागरिकों के सहयोग के लिए हेल्पलाइन नंबर 1950 जारी किया गया है, जिस पर मतदाता एसआईआर के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

पुनरीक्षण कार्यक्रम का शेड्यूल

डीसी ने बताया कि 15 जून से 14 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना फार्म बांटने और एकत्रित करने का काम करेंगे। इसी दौरान पोलिंग बूथों का युक्तिकरण भी होगा। इसके बाद 21 जुलाई को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट का प्रकाशन होगा। 21 जुलाई से 20 अगस्त की अवधि में लोग अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे। 21 जुलाई से 18 सितंबर तक नोटिस जारी करने, सुनवाई और वेरिफिकेशन की प्रक्रिया चलेगी तथा 22 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इस अवसर पर एसडीएम बावल संजीव कुमार, एसडीएम कोसली विजय यादव व नायब तहसीलदार चुनाव अजय कुमार मौजूद थे।

प्रत्येक मतदाता के लिए चार सरल कदम

डीसी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत मतदाताओं के लिए चार महत्वपूर्ण कदम निर्धारित किए गए हैं, मतदाता सेवाओं तक आसान पहुंच के लिए नागरिक ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करें। इसके माध्यम से ई-ईपीआईसी, मतदाता सूची में नाम की जांच, मतदान केंद्र की जानकारी तथा अन्य निर्वाचन सेवाओं का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। मतदाता ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से बीएलओ से मार्गदर्शन, सहायता एवं समस्याओं के समाधान के लिए संपर्क कर सकते हैं। मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाने के लिए सभी मतदाता अपना नवीनतम फोटो उपलब्ध कराएं ताकि रिकॉर्ड अद्यतन रह सकें।

पांच जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री के आवास पर प्रदर्शन की तैयारी तेज

लंबित मांगों की लगातार अनदेखी से एमपीएचई एसोसिएशन नाराज

- एसोसिएशन की राज्यस्तरीय ऑनलाइन बैठक में जिला स्तर पर अभियान शुरू करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को एमपीएचई एसोसिएशन हरियाणा की राज्यस्तरीय ऑनलाइन बैठक प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला देवी की अध्यक्षता तथा महासचिव सहदेव आर्य सांगवान के संचालन में आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों के समाधान के लिए आगामी 5 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री आवास पर प्रस्तावित प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी जिला एवं ब्लॉक इकाइयां 15 जून से सदस्यता एवं जनसंपर्क अभियान चलाकर आंदोलन को तेज करने का कार्य करेंगे। इस मौके पर रेवाड़ी प्रदर्शन कार्यक्रम के लिए प्रबंधक समिति का गठन भी किया गया जिसमें दिनेश यादव अध्यक्ष, शशि बाला, धर्मवीर यादव, सुखविंद्र, अशोक, नफे सिंह दादरी, वीरेंद्र यादव व जितेंद्र सिंह को शामिल

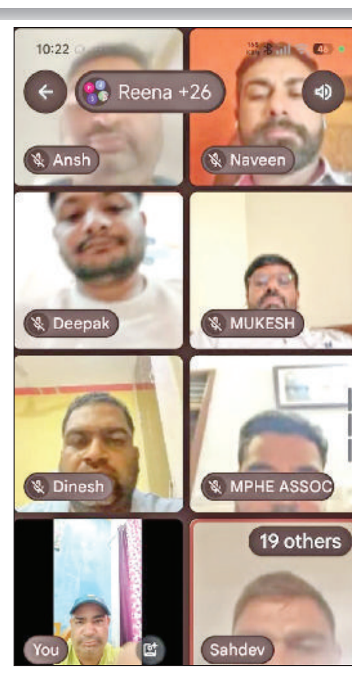

रेवाड़ी। ऑनलाइन बैठक करते एपीएचई एसोसिएशन के पदाधिकारी। फोटो: हरिभूमि

किया गया। इस मौके पर राज्य प्रधान शर्मिला देवी एवं उप प्रधान सुदेश देवी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों की लंबित मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जबकि यही कर्मचारी गांव-गांव और घर-घर जाकर स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। बैठक में राज्य कमेटी के प्रथम चरण के जिला दौरा कार्यक्रम की घोषणा भी की गई, जिसके अंतर्गत राज्य पदाधिकारी विभिन्न जिलों में बैठक करके आंदोलन की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। राज्य महासचिव सहदेव एवं प्रवक्ता संदीप कुंडू ने कहा कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा तथा प्रदेशभर के कर्मचारी एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे तथा 5 जुलाई को स्वास्थ्य मंत्री के रामपुरा हाउस पर रोष प्रदर्शन किया जाएगा।

सरकार से इन मांगों को लागू करने की गुहार

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत बहुद्देशीय स्वास्थ्य महिला न्यायालय के निर्णय अनुसार पॉलिसी बनाते हुए नियमित किया जाए। समान कार्य के लिए समान वेतन लागू करते हुए सेवा नियमों के अनुसार न्यूनतम वेतनमान एफपीएल-6 का लाभ दिया जाए। एनएचएम कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान यात्रा भत्ता, ड्रेस एलाउंस, एमसीएच एवं अन्य भत्तों का लाभ मिले। सेवानिवृत्ति लाभ व ग्रेच्युटी प्रदान की जाए। बकाया महंगाई भत्ते का भुगतान किया जाए तथा प्रत्येक माह समय पर वेतन जारी किया जाए। पुरानी पेंशन योजना बहाल की जाए। शहरी क्षेत्रों में कार्यरत बहुद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारियों के रिक्त पदों को आईपीएचएस मानकों के अनुसार पद स्वीकृत करते हुए भरा जाए। महिला सुपरवाइजर को भी राजस्थान राज्य की तर्ज पर पदोन्नति के समान अवसर प्रदान करें। स्वास्थ्य विभाग के अन्य वर्गों की भांति एमपीएचडब्ल्यू वर्ग के भी पदनाम संशोधित किए जाए। कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटाई जाए एवं इच्छुक कर्मचारियों को तबादला का अवसर प्रदान किया जाए। वर्ष 2020-23 से लंबित कर्मचारियों को एलटीसी सुविधा प्रदान की जाए। कन्फर्मेशन सूचियां जारी की जाए। एसीपी के लंबित मामलों का निपटान किया जाए। सातवें वेतन आयोग के अनुरूप महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से अधिक होने पर 10, 20 एवं 30 प्रतिशत अतिरिक्त लाभ प्रदान किए जाए। आठवें वेतन आयोग के लागू होने तक बढ़ती महंगाई से राहत के लिए कर्मचारियों को 5000 प्रतिमाह अंतरिम राहत प्रदान की जाए।

रेवाड़ी। आमसभा में ग्रामीणों को संबोधित करते वक्ता। फोटो: हरिभूमि

खेतों में भरा है दूषित पानी, बिजाई बाधित

किसानों को मुआवजा देने की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- सरकार से दूषित पानी को निकलवाने की मांग

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन की ओर से गांव ततारपुर ईस्तमुरार में जनसभा का आयोजन किया गया, जिसमें गांव के सरपंच सहित अनेक किसानों व महिलाओं ने भाग लिया।

सभा में गांव ततारपुर में किसानों की कई एकड़ जमीन में दो साल से मसानी बैराज से छोड़े जा रहे दूषित पानी को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि दूषित पानी के कारण किसान खेतों में फसल बिजाई नहीं कर पा रहे है। खेत खाली रहने से किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंनें कहा कि गंदे पानी के भराव से भूमिगत जल भी दूषित होने का खतरा बढ़ रहा है। संगठन के जिला अध्यक्ष कामरेड रामकुमार निमोठ ने सरकार से पीड़ित किसानों को रबी और खरीफ दोनों फसलों का 50-50 हजार रुपये मुआवजा देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन खेतों में जमा दूषित पानी को निकालने की व्यवस्था करें। इस मौके पर मुआवजा की मांग को लकर गांव की एक कमेटी भी बनाई गई, जिसमें चंदन सिंह, रामानंद, रामचंद्र यादव, कृष्ण कुमार, रामपाल नंबरदार, देवराय, गजराज, वेदप्रकाश, लालसिंह व धर्मबीर को शामिल किया गया है। कमेटी ने निर्णय लिया कि जल्दी ही इस मुद्दे को लेकर प्रभावित किसानों के साथ जिला प्रशासन से मुलाकात की जाएगी। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता शेरसिंह मीरपुर, संगठन के रेवाड़ी ब्लॉक प्रधान करतार सिंह, नरेश तुर्कियावास, कार्यकर्ता राजेश, गजराज व संतोष सहित सैकड़ों ग्रामीण भी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय योग मैराथन आज, 16 से तीन दिन लगेंगे प्रशिक्षण शिविर

21 जून को होंगे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और आयुष विभाग की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। जिले में 15 जून को जिला स्तरीय योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 16 से 18 जून तक तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा।

डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि योग दिवस केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का जन आंदोलन है। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 15 जून

- डीसी ने बताया, सुबह 6:30 बजे से होगा योग मैराथन का आयोजन

डीसी अभिषेक मीणा।

को सुबह 6:30 बजे योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

यह मैराथन राव तुलाराम स्टेडियम से शुरू होकर पंडित नेकीराम चौक से होते हुए वापस स्टेडियम में सम्पन्न होगी। योग मैराथन में स्कूल, कॉलेज, गुरुकुल, विश्वविद्यालय, आमजन, योग संस्थान, पुलिसकर्मी, एनसीसी कैडेट, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र तथा स्कॉउट्स एवं गाइड्स भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार से तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे।

17 जून को प्रशिक्षण कार्यक्रम में मंत्री, सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी, निर्वाचित सदस्य, पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी कैडेट्स, स्कॉउट कैडेट, नेहरू युवा केंद्र स्टाफ और आमजन भाग लेंगे। डीसी ने बताया कि जिले में 20 जून को मुख्य कार्यक्रम के लिए पायलट रिहर्सल आयोजित की जाएगी तथा 21 जून को जिला, उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नए एम्स निर्माण और संचालन से स्वास्थ्य अवसंरचना को मिली नई मजबूती: पूनिया

- निमार्णाधीन माजरा एम्स में प्रगति पदयात्रा का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन और राष्ट्रीय आत्मविश्वास के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। सरकार की नीतियों ने आम नागरिक के जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने का कार्य किया है। राज्यसभा सांसद ने रविवार को केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 22वें निमार्णाधीन माजरा एम्स में आयोजित प्रगति पदयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में शिकरत की। इस दौरान उन्होंने एम्स के विभिन्न भवनों का जायजा लिया और एजेंसी व अधिकारियों के साथ बैठक कर

रेवाड़ी। माजरा एम्स में मौजूद राज्यसभा सांसद व अन्य नेता। फोटो: हरिभूमि

जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। राज्यसभा सांसद पूनिया ने कहा कि रेवाड़ी में 1600 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे नए एम्स निर्माण और संचालन से स्वास्थ्य अवसंरचना को नई मजबूती मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में स्वास्थ्य अवसंरचना को मजबूत करने के लिए कई नए एम्स संस्थानों की सौगात देकर देश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का जाल बिछाया है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों के कार्यकाल में अनेक नए एम्स संस्थानों की स्थापना की गई, जिससे दूर-दराज क्षेत्रों के लोगों को उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि एम्स निर्माण जैसी परियोजनाओं ने देश के विकास को नई गति दी है। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, कोसली के विधायक अनिल यादव, पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल, भाजपा जिला अध्यक्ष डा. वंदना पोपली व हुकमचंद यादव सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद थे।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया ने माजरा एम्स और रेवाड़ी स्थित रेजांगला पार्क में पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। उन्होंने रेजांगला पार्क में वीर शहीदों के सम्मान में स्थापित स्मारक पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने कहा कि जिले की पावन धरती का गौरव रेजांगला की वीर गाथा से जाना जा सकता है।

होटल मैनेजमेंट पीजी कोर्स में 20 तक व यूजी में आवेदन की अंतिम तिथि आज

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में होटल पर्यटक एवं प्रबंधन विभाग की ओर से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दो प्रमुख व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन कोर्सों में मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी और बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी शामिल है। इसमें बीएचएमसीटी में 60 व एमएचएमसीटी में 20 सीटें उपलब्ध है। विभागाध्यक्ष प्रो. अदिति शर्मा ने बताया कि होटल एवं आतिथ्य उद्योग विश्व के सबसे तेजी से विकसित होने वाले क्षेत्रों में से एक है, जिसमें प्रशिक्षित एवं कुशल मानव संसाधन की निरंतर मांग बनी रहती है। इन कोर्सो के माध्यम से विद्यार्थियों को होटल संचालन, खाद्य उत्पादन, खाद्य एवं पेय सेवा, फ्रंट ऑफिस प्रबंधन, हाउसकीपिंग, पर्यटन प्रबंधन, आयोजन प्रबंधन तथा ग्राहक सेवा से संबंधित व्यावहारिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि इन कोर्सो को पूरा करने के बाद विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध होते हैं। विद्यार्थी देश-विदेश के प्रतिष्ठित होटलों, रिसॉर्ट्स, एयरलाइंस, क्रूज लाइन्स, ट्रैवल एवं टूरिज्म कंपनियों, इवेंट मैनेजमेंट संस्थानों, अस्पतालों, कॉर्पोरेट कैटरिंग सेवाओं तथा आतिथ्य उद्योग से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में अपना करियर बना सकते हैं। इनके अलावा विद्यार्थी उद्यमिता के क्षेत्र में भी होटल, रेस्तरां, कैफे, बेकरी तथा कैटरिंग व्यवसाय स्थापित कर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. अदिति ने कहा कि जो छात्र आतिथ्य एवं पर्यटन क्षेत्र में सफल करियर बनाना चाहते हैं, वे समय रहते इन कोर्सो में प्रवेश के लिए आवेदन करें। विद्यार्थी स्नातक कोर्स के लिए 15 जून तक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए 20 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

प्रो. अदिति शर्मा।

मोती नगर में श्रीमद्भागवत कथा का छठा दिन

रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

- आचार्य ने बताया कि भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मोती नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास आचार्य रघुराज शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह, कंस वध तथा भक्त और भगवान के अटूट संबंध का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया।

आयोजक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि आचार्य रघुराज शास्त्री ने कथा में रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी। उन्होंने भगवान की महिमा सुनकर मन ही मन उन्हें अपना सर्वस्व स्वीकार कर लिया था। जब

नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा में झूमती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से करने का निर्णय लिया, तो रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर अपनी व्यथा प्रकट की और उन्हें अपने उद्धार के लिए बुलाया। आचार्य ने बताया कि भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं। रुक्मिणी के प्रेम और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंचे और स्वयंवर से पूर्व ही रुक्मिणी का हरण कर उन्हें अपने साथ ले गए। इसके बाद वैदिक रीति रिवाजों के अनुसार दोनों का विवाह संपन्न हुआ। कथा व्यास ने कहा कि रुक्मिणी विवाह जीवात्मा व परमात्मा के दिव्य मिलन का प्रतीक है तथा यह प्रसंग सच्ची श्रद्धा, विश्वास व समर्पण का संदेश देता है। इसके उपरांत आचार्य रघुराज शास्त्री ने कंस वध प्रसंग का अत्यंत ओजस्वी वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मथुरा का राजा कंस अत्याचारी, अहंकारी और अधर्मी था।

आईजीयू में एमएससी भूगोल के लिए प्रवेश परीक्षा 3 जुलाई को

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में एमएससी भूगोल की 45 सीटों पर सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी 20 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 3 जुलाई को सुबह 11:45 बजे से दोपहर 1:15 बजे तक विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगी। भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विपिन कुमार ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए अभ्यर्थी 22 जून से अपना प्रवेश-पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। प्रवेश परीक्षा का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के आधिकारिक सूचना विवरणिका में उपलब्ध है, जिसे छात्र विवि की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते है। डा. विपिन ने बताया कि किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक आवश्यक हैं। अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांग वर्ग के अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय एवं हरियाणा सरकार के नियमों के अनुसार अंकों में छूट प्रदान की जाएगी। विभागाध्यक्ष ने बताया कि भूगोल विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शिक्षण, अनुसंधान, जीआईएस, रिमोट सेंसिंग, पर्यावरण अध्ययन, शहरी एवं क्षेत्रीय नियोजन, आपदा प्रबंधन, सर्वेक्षण, जनसंख्या अध्ययन, जलवायु परिवर्तन अध्ययन, संसाधन प्रबंधन, सरकारी एवं गैर-सरकारी संगठनों सहित अनेक क्षेत्रों में करियर बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं तथा शोध के क्षेत्र में भी आगे बढ़ सकते हैं। प्रवेश संबंधी जानकारी के लिए विद्यार्थी विभागाध्यक्ष डा. विपिन कुमार, डा. कृष्ण दत्त, डा. नेहा यादव एवं डा. सुनीता नागपाल सहित विभाग के अन्य शिक्षकों से संपर्क कर सकते है।

भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विपिन कुमार।

एसपी बोले क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन या ऑफलाइन सट्टा लगाना दंडनीय अपराध

युवाओं को मुनाफे का लालच देकर जाल में फंसा रहे सट्टेबाज

युवाओं को सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुए जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन के लिए एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। एसपी ने कहा कि युवाओं को सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुए जैसी अवैध गतिविधियों से दूर रखना तथा इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक का जागरूक और सतर्क रहना ऐसे अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट बुकी और ऑनलाइन सट्टेबाज युवाओं को भारी मुनाफे का लालच देकर अपने जाल में फंसाते हैं। शुरूआत में लाभ का झांसा दिया जाता है, लेकिन धीरे-धीरे व्यक्ति बड़ी धनराशि हारकर मानसिक तनाव, कर्ज और अवसाद जैसी गंभीर स्थितियों में पहुंच जाता है। अनेक बार ऐसी परिस्थितियां व्यक्ति और उसके परिवार के लिए गंभीर सामाजिक एवं आर्थिक समस्याएं उत्पन्न कर देती हैं।

सट्टेबाज या संदिग्ध गतिविधि की दें जानकारी

एसपी मीणा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति, मोबाइल ऐप, वेबसाइट या ऑनलाइन लिंक के माध्यम से किसी भी प्रकार की सट्टेबाजी अथवा जुए से जुड़ी गतिविधियों में शामिल न हों। क्रिकेट मैचों पर ऑनलाइन या ऑफलाइन सट्टा लगाना एक दंडनीय अपराध है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को आर्थिक नुकसान या मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा हो तो वह अपने परिजनों, मित्रों, परामर्श केंद्रों अथवा नजदीकी पुलिस थाना से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकता है। यदि किसी को किसी बुकी, सट्टेबाज या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी हो तो वह तुरंत पुलिस को सूचित करे।

जुआ निषेध अधिनियम के अंतर्गत सजा के प्रावधान

धारा 5: मैच फिक्सिंग-स्पॉट फिक्सिंग।
पहली बार: 3 से 5 वर्ष की सजा और न्यूनतम 5 लाख जुर्माना। पुनरावृत्ति करने पर 5 से 7 वर्ष की सजा और न्यूनतम 7 लाख जुर्माना।

धारा 6: सट्टेबाजी में सहायता या उकसाना।
पहली बार: जितना दंड अपराधी को मिलेगा, उतना ही सहायक या उकसाने वाले को भी मिलेगा।

धारा 7: संगठित जुआ सिंडिकेट में शामिल होना।
पहली बार: 3 से 5 वर्ष की सख्त सजा और 5 लाख जुर्माना। पुनरावृत्ति करने पर 5 से 7 वर्ष की सख्त सजा और 5 लाख से कम नहीं जुर्माना।

धारा 8: पहचान छिपाकर सट्टेबाजी में शामिल होना।
पहली बार: 3 वर्ष तक की सजा, 10000 जुर्माना या दोनों। पुनरावृत्ति करने पर 3 से 5 वर्ष की सजा और 20000 कम नहीं जुर्माना।

पुलिस की कार्रवाई और निगरानी जारी

जिले में सट्टेबाजी और अवैध जुए के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस की स्पेशल टीमें व क्राइम यूनिट ऑनलाइन और ऑफलाइन सट्टेबाजों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं। ऐसे मामलों में हरियाणा सार्वजनिक जुआ निषेध अधिनियम, 2025, आईटी एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आज के भागदौड़ भरे जीवन में भौतिक वस्तुओं की मारामारी में लगे लोग: राजपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में जीवन में सकारात्मकता लाने वाला कार्यक्रम 'आओ मिलकर अपने शहर को खुशियों में नंबर वन बनाए' का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्यातिथि समाजसेवी आदर्श राजपाल, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव, रंगकर्मी विजय शर्मा व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि आज के भागदौड़ भरे जीवन में सभी भौतिक वस्तुओं की मारामारी में लगे है। किसी के पास दूसरे की परेशानी को हल करने कीफुर्सत नहीं है। उन्होंने कहा कि आप अपने व्यक्तिगत जीवन में अपने को सफल व संतुष्ट समझते है, उस बात से ज्यादा फर्क नही पड़ता, बल्कि इस बात से फर्क पड़ता है कि आप अपने व्यस्त जीवन में दूसरों को खुश करने का कितना प्रयास करते है। यदि हमारे सदव्यवहार के कारण दूसरों के जीवन में खुशी, आनंद व उल्लास आ जाए तो इससे परमात्मा प्रसन्न होते है।

महिला प्रधान निशा सीकरी, डा. नीरू वर्मा व पूर्व नगर परिषद प्रधान सरोज भारद्वाज ने कहा कि आज हम अपने बच्चों को महंगी शिक्षा दिलाने का प्रयास करते है, लेकिन आज की शिक्षा में संस्कार नाम की कोई चीज नहीं है। बच्चों को रामायण के प्रसंग बताए, आपके परिवार में खुशियों का वातावरण बनेगा। कार्यक्रम में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उपप्रधान हेमंत ग्रोवर, समाजसेवी राजेंद्र गेरा, श्याम भक्त बोबी चांदना, समाजसेवी राम रतन यादव व सुदर्शन मेहंदीरत्ता को सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को रामदरबार, गणपति, भगवान शिव व राधा कृष्ण के चित्र भेंट किए। कार्यक्रम में डा. देवेन्द्र, हिमांशु पिपलानी, किशोरी नंदवानी व संजय गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

पोक्सो एक्ट के तहत दंपति गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज मामले में दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर गत 17 फरवरी को नाबालिग के अपहरण और यौन शोषण के आरोप में केस दर्ज किया गया था। पुलिस ने नाबालिग को बरामद करने के बाद उसका मेडिकल टेस्ट कराया था। इस मामले में पुलिस ने झज्जर जिले के एक गांव निवासी सोनिया और उसके पति शांतनु को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

एमए हिंदी कोर्स रोजगार एवं शोध के विविध अवसरों का सशक्त माध्यम: डा. पुरी

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में एमए हिंदी पाठ्यक्रम में सत्र 2026-27 के प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित है। इच्छुक विद्यार्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर निर्धारित समयावधि के भीतर आवेदन कर सकते हैं। हिंदी विभागाध्यक्ष डा. मंजु पुरी ने कहा कि एमए हिंदी केवल एक शैक्षणिक डिग्री ही नहीं, बल्कि रोजगार एवं शोध के विविध अवसरों का सशक्त माध्यम भी है। हिंदी विषय का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी भाषा अधिकारी, अनुवादक, अध्यापक, शोधकर्ता, पत्रकार, समाचार वाचक, कंटेंट लेखक तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर हिंदी का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है, जिससे हिंदी भाषा और साहित्य के विशेषज्ञों की मांग भी बढ़ी है। ऐसे में एमए हिंदी विद्यार्थियों के लिए उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हो सकता है। उन्होंने बताया कि विभाग का शैक्षणिक वातावरण विद्यार्थियों को शोध, लेखन एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए प्रेरित करता है। विभाग के पूर्व विद्यार्थी वर्तमान में राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों तथा अन्य प्रतिष्ठित क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

सोमवती अमावस्या के दिन किए गए दान तर्पण और स्नान से पितृ दोष शांत होते: शास्त्री

- आज धूमधाम से मनाई जाएगी सोमवती अमावस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

ज्येष्ठ अधिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या 15 जून को श्रद्धा भाव के साथ मनाई जाएगी। सोमवार के दिन अमावस्या का दुर्लभ संयोग होने के कारण इसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष और पवित्र महत्व है। इस दिन सुबह से ही देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों और पवित्र नदियों के घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ने की उम्मीद है। धमार्चार्य दलीप शास्त्री का कहना है कि अमावस्या तिथि रविवार दोपहर 12 बजकर 20 मिनट से शरू होगी, लेकिन उदयातिथि की मान्यता के अनुसार व्रत, स्नान, और दान-पुण्य के तमाम मुख्य अनुष्ठान सोमवार को ही संपन्न किए जाएंगे। सोमवार को भगवान शिव का दिन माना जाता है। इस दिन अमावस्या का होना एक महासंयोग है। सोमवती अमावस्या के दिन किए गए दान, तर्पण और स्नान से न केवल पितृ दोष शांत होते हैं, बल्कि जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। ज्योतिषाचार्य ने कहा कि सोमवती अमावस्या पर सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना कर पीपल के वृक्ष की 108 बार परिक्रमा कर सूत बांधेंगी और परिवार की खुशहाली की कामना करेंगी। इस दिन स्नान के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और तिल का दान करना बेहद फलदायी माना गया है।

न्यूज डायरी

यादव सभा के नि:शुल्क कैंप में 129 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। कैंप में 129 मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने मेडिसन, हड्डी रोग, सर्जरी, नेत्र रोग, चर्म रोग व स्त्री रोग के रोगियों की जांच कर उचित परामर्श दिया। कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं भी दी गई। कैंप के आयोजन में जसवंत सिंह, शशिभूषण, अमर सिंह, प्रो॰ सतीश यादव, गोकल राम, विजय पाल व अशोक ने सहयोग दिया।

सांसद गोशाला और मंदिरों में सहयोग की अपील रामपुरा के सरपंच ने थमाई सहयोग की रसीद

रेवाड़ी। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह उनके स्वागत में फूलमालाएं या पगड़ी पहचाने की बजाय मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति, मंदिर या गोशालाओं में सहयोग करें। सहयोग राशि की रसीद उन्हें सम्मान के रूप में दें, तो यही उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा। सांसद की इस अपील के बाद माजरा एम्स का अवलोकन करने पहुंचे सांसद सतीश पूनिया को खोरी मंडल अध्यक्ष व रामपुरा के सरपंच नरेश यादव ने अपने गांव के मंदिर में सहयोग राशि देने के बाद उसकी रसीद सांसद को भेंट की। राज्यसभा सांसद ने सरपंच नरेश यादव की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को मंदिरों और गोशालाओं में यथासंभव सहयोग राशि दान करनी चाहिए, ताकि उनके संचालन में आर्थिक मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़े। सरपंच नरेश यादव की पहल सराहनीय है, जिसका सभी को अनुशरण करना चाहिए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली, विधायक लक्ष्मण सिंह यादव, विधायक अनिल यादव, महामंत्री पंडित हिमांशु पालीवाल, जिला उपाध्यक्ष जीतू चेयरमैन, जिला सचिव दिनेश यादव टीट, जीवनराम गर्ग, प्रदीप ठेकेदार नारायणपुर, मीडिया प्रभारी मुरारीलाल माजरा, धीरसिंह अहरोद सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेट्रोल पंप की जमीन के सभी दस्तावेज पूरे इसके बावजूद एनएचएआई ने की तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। पेट्रोल पंप पर तोड़फोड़ का फाइल फोटो। फोटो : हरिभूमि

दो दिन पूर्व जैसलमेर नेशनल हाइवे पर एनएचएआई की तोड़फोड़ को पाली पेट्रोल पंप के संचालक ने पूरी तरह गलत और तानाशाही करार दिया है। एक ओर जहां एनएचएआई के अधिकारी जमीन से संबंधित कागजात पूरे नहीं होने की बात कह रहे हैं, तो दूसरी ओर पंप संचालक का दावा है कि उसने जमीन की सीएलयू से लेकर एनओसी तक ली हुई है। मामला आर्बिट्रेटर के पास लंबित होने के बावजूद एनएचएआई की ओर से तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई है।

बीते शुक्रवार को एनएचएआई के रेजिडेंट इंजीनियर प्रोजेक्ट बसंत यादव ने बीडीपीओ संदीप कुमार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में साथ लेकर पुलिस बल की मौजूदगी में पाली से लेकर माजरा तक स्थाई और अस्थाई निर्माण तुड़वा दिए थे। इसी कार्रवाई की जद में एक पेट्रोल पंप भी आया, जिस पर संचालक के विरोध के बावजूद तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई। बसंत यादव ने दावा किया था कि पंप संचालक के पास एनएचआई की ओर से एनओसी नहीं ली हुई है। उसने सीएलयू के लिए आवेदन किया था, लेकिन जमीन की सीएलयू नहीं हुई थी। जगदीश ने दावा किया उसके पास सभी तरह के दस्तावेज मौजूद हैं। जमीन का सीएलयू होने के बावजूद जमीन को कृषि भूमि मानकर अवार्ड किया गया था, जिसका केस आर्बिट्रेटर के पास विचाराधीन है।

संगोष्ठी में प्लास्टिक कचरा खत्म करने पौधरोपण व जल संरक्षण का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत जिला इकाई की ओर से रविवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सभागार में पर्यावरण संरक्षण-प्लास्टिक हटाओ, पानी बचाओ, पौधे लगाओ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं व आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों सहित गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. आरबी यादव ने पीपीटी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की जानकारी दी। सभी सामाजिक संस्थाओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में प्लास्टिक का उपयोग न्यूनतम करें और 4आर फॉर्मूला यानि रिफ्यूज, रिड्यूज, रियूज और रिसाईकिल को अपनाएं। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनाने तक देखभाल करने की अपील की। मुख्य अतिथि अनीता कालरा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की शुरूआत अपने घर से ही करनी होगी। उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि नगर परिषद की नवनिर्वाचित चेयरपर्सन विनीता पीपल ने प्लास्टिक कचरा खत्म करने, पौधरोपण और जल संरक्षण का आह्वान किया। आश्वस्त किया कि नगर परिषद साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के कार्य में सभी संस्थाओं और जनता के साथ पूर्ण सहयोग करेगी। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष विपिन ढींगरा, जिला संगठन मंत्री कृष्ण कुमार, डीपी यादव, पर्यावरण प्रमुख दिनेश, अनिल, बिहारी लाल, शिवकुमार, हंसराज व नितेश सहित अनेक लोग मौजूद थे। सचिव धीरज शर्मा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 8291554800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

पूनिया ने विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

आज भारत सैन्य उपकरण स्वयं बनाकर 25 देशों को निर्यात भी कर रहा: सतीश पूनिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद का स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया ने कहा कि रेवाड़ी की ऐतिहासिक धरती से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन की नींव रखी थी। आज उस रैली को 12 साल से अधिक समय हो चुका है और तभी से नरेंद्र मोदी एक प्रधान सेवक के रूप में देश की सेवा करते आ रहे हैं। सतीश पूनिया रविवार को नसिया रोड पर जैन मंदिर के सभागार में आयोजित विकसित भारत संकल्प सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे थे।

सम्मेलन में जिले के पंचायत प्रतिनिधि और नगर पार्षद भी मौजूद थे। राज्यसभा सांसद पूनिया ने कहा कि हरियाणा की जनता बधाई की पात्र है, जिसने देश हित को सर्वोपरि रखते हुए केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को तीसरी बार सरकार की कमान सौंपी। सांसद ने कहा कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी नीतियों का ही परिणाम है कि आज देश के 56 करोड़ नए उपभोक्ता बैंकिंग सिस्टम से जुड़ चुके हैं और उनको सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे इन खातों के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 4 करोड़ परिवारों को रहने के लिए छत मिली है। देश में राजमार्गों का नव निर्माण कराया जा रहा है। अब तक 7 लाख किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। कश्मीर में धारा 370 को हटाकर वहां के लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। भारत आज अपने सैन्य उपकरण न केवल खुद बना रहा है, बल्कि 25 देशों को निर्यात भी कर रहा है। विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है। आज दुनिया के दूसरे देश जहां युद्ध में उलझे हुए हैं, भारत शांति की राह पर चलते हुए उन्नति की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने आमजन के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रभावशाली योजनाएं लागू की हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष डा. वंदना पोपली ने कहा कि किसान, मजदूर, व्यापारी, महिलाएं हर एक वर्ग के लिए प्रधानमंत्री ने लोक कल्याण की योजनाएं शुरू की हैं।

सबका साथ सबका विकास, एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना से चलाई जा रही इन योजनाओं का देश के हर घर को लाभ मिल रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष मा. हुकमचंद ने मुख्य अतिथि व जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

कोसली के विधायक अनिल यादव, पूर्व मंत्री डा. बनवारी लाल, नगर परिषद चेयरमैन विनीता पीपल, सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन इंजी. कृष्ण कुमार, धारूहेड़ा नगर पालिका के चेयरमैन अजय जांगड़ा, अनिल रायपुर, नरेश यादव, महावीर यादव, डा. सतीश खोला, रत्नेश बंसल, मोहित जैन, सुनील मुसेपुर, प्रीतम चौहान, जिला पार्षद शारदा यादव, सरोज मेहरा व अनिल भारद्वाज सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

जयंत यादव ने स्टेट इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में जीता कांस्य

रेवाड़ी। दिल्ली स्थित डा. करणी सिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद में आयोजित हरियाणा स्टेट इंटर स्कूल शूटिंग चैंपियनशिप में गांव धवाना निवासी जयंत यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता है। दादा सुरेश यादव पंच ने बताया कि जयंत पंचकूला स्थित एम-10 शूटिंग रेंज में प्रशिक्षण ले रहा है। प्रतियोगिता 9 से 11 जून तक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न स्कूलों एवं शूटिंग अकादमियों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। जयंत ने शूटिंग अकादमी के संचालक विकास यादव तथा कोच मंजीत श्योराण के मार्गदर्शन में पदक हासिल किया। ग्रामीणों ने भी जयंत को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।